देहरादून (उत्तराखण्ड)
शुक्रवार 10.10.2025
समय 1305

मुख्य समाचार :–

- वर्चुअल क्लास नेटवर्क से जुड़ेंगे प्रदेश के 840 राजकीय विद्यालय।
- उत्तरी क्षेत्र पुलिस समन्वय समिति की बैठक में सुरक्षा और कानून–व्यवस्था की साझा रणनीति पर सहमति बनी।
- 'ड्रग्स फ्री देवभूमि' को साकार करने के लिए देहरादून जिला प्रशासन ने नशा मुक्त दून अभियान की व्यापक रणनीति बनाई।
- देहरादून जिले में आसन झील, प्रवासी पक्षियों से गुलजार हुई।

वर्चुअल क्लास नेटवर्क

प्रदेश के 840 राजकीय विद्यालय, वर्चुअल क्लास नेटवर्क से जुड़ेंगे। जिससे इन विद्यालयों में हाईब्रिड मोड के तहत वर्चुअल और स्मार्ट क्लास दोनों का संचालन किया जाएगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी कल देहरादून के ननूरखेड़ा में राजीव गांधी नवोदय विद्यालय स्थित आईसीटी लैब से इसका शुभारंभ करेंगे। विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने बताया कि राज्य सरकार शिक्षा के सुधार के लिए कई कदम उठा रही है। स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए जहां शिक्षा का डिजिटलीकरण किया जा रहा है, वहीं शिक्षकों की कमी दूर की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के नौनिहालों को उच्च स्तरीय व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मुहैया करने के लिए सरकार ने डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने का निर्णय लिया है। जिसके तहत राज्य के 840 राजकीय विद्यालयों को वर्चुअल क्लास नेटवर्क से जोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक जिले में डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए विद्यालयों को वर्चुअली क्लास नेटवर्क से जोड़ा गया है। यह पहल न केवल नवाचारपूर्ण है, बल्कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को प्रत्येक नौनिहाल तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम है। डॉ. रावत ने कहा कि विद्यालयों के वर्चुअल क्लास नेटवर्क से जुड़ने से सीमांत और अन्य क्षेत्रों के विद्यार्थियों तक भी आधुनिक शिक्षण सुविधाएं पहुंच सकेंगी और उनकी सीखने की क्षमता में सुधार होगा।

पुलिस बैठक

प्रदेश के पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ की अध्यक्षता में देहरादून पुलिस मुख्यालय में उत्तरी क्षेत्र पुलिस समन्वय समिति की 12वीं बैठक हुई। बैठक में ड्रग्स, साइबर अपराध, आपदा प्रबन्धन और पुलिसिंग में आधुनिक तकनीकों के उपयोग को लेकर संयुक्त रूप से कार्य करने पर सहमति बनी। बैठक का उद्देश्य उत्तरी क्षेत्र के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के बीच बेहतर सहयोग बढ़ाना, नई चुनौतियों का मिलकर समाधान खोजना और पुलिसिंग से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर समन्वय को मजबूत करना था। पुलिस महानिदेशक ने कहा कि उत्तरी क्षेत्र पुलिस समन्वय समिति की स्थापना वर्ष 2015 में डीजी व आईजी सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप की गई थी। समिति में हरियाणा, जम्मू–कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, चंडीगढ़ और दिल्ली के पुलिस प्रमुख शामिल हैं। वर्चुअली बैठक में कई

महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई, जिनमें प्रमुख रूप से मादक पदार्थों की तस्करी, साइबर अपराध और डिजिटल माध्यमों से फैल रही कट्टरपंथी विचारधाराएं शामिल रही। इसके अलावा, हाल ही में उत्तरी भारत के कई राज्यों में भारी वर्षा, बादल फटने और त्वरित बाढ़ जैसी आपदाओं के मद्देनजर पुलिस बलों की आपदा प्रबंधन क्षमता और तैयारियों को और मजबूत बनाने पर विशेष चर्चा की गयी।

बहुउद्देशीय शिविर

केंद्र सरकार के वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम के तहत चम्पावत जिले के चयनित दो सीमावर्ती गांवो में सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम के तहत बहुद्देश्यीय शिविर का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी मनीष कुमार की अध्यक्षता में सीमावर्ती तरकुली और मंच में आयोजित बहुद्देश्यीय शिविर में बिजली, उद्योग, बैंकिंग, स्वास्थ्य, पशुपालन, समाज कल्याण, कृषि और खाद्य विभाग सहित विभिन्न विभागों ने स्टॉल लगाए। इनके माध्यम से ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी दी गई। जिलाधिकारी ने बताया कि शिविर में ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनी गईं। उन्होंने कहा कि सरकारी सुविधाएं, ग्रामीणों के घर तक पंहुचे, इसके लिए प्रयास किये जा रहे हैं।

ड्रग्स फ्री देवभूमि

'ड्रग्स फ्री देवभूमि' को साकार करने के लिए देहरादून जिला प्रशासन ने नशा मुक्त दून अभियान की व्यापक रणनीति बनाई है। जिलाधिकारी सविन बंसल की अध्यक्षता में हुई जिला स्तरीय नारकोटिक्स को–ऑर्डिनेशन समिति की बैठक में नशे के अवैध कारोबार पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि राजधानी में नशा तस्करों के लिए कोई जगह नहीं होगी। उन्होंने दवा फैक्ट्रियों और मेडिकल स्टोरों की नियमित जांच के आदेश दिए और सभी मेडिकल स्टोरों पर सीसीटीवी लगाना अनिवार्य किया।

जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को छह हजार ड्रग्स टेस्टिंग किट खरीदने और सरकारी व निजी कॉलेजों में बड़े स्तर पर ड्रग्स टेस्टिंग अभियान शुरू करने के निर्देश दिए। इस उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग को मौके पर ही फंड स्वीकृत किया गया।

उन्होंने स्कूलों की ड्रग्स रोधी समितियों को सीधे एसटीएफ से जोड़ने के निर्देश दिए, ताकि त्वरित संचार और कार्रवाई सुनिश्चित हो सके। जिलाधिकारी ने रायवाला स्थित ओल्ड एज होम को नशा मुक्ति एवं मानसिक स्वास्थ्य केंद्र के रूप में संचालित करने और सभी नशा मुक्ति केंद्रों का स्थलीय निरीक्षण करने के निर्देश दिए।

आसन झील

देहरादून जिले में आसन झील एक बार फिर प्रवासी पक्षियों से गुलजार हो गई है। हर साल की तरह इस बार भी सर्दियों की शुरुआत के साथ ही हजारों किलोमीटर की यात्रा तय कर विदेशी पक्षी यहां पहुंचे हैं। आसन झील सर्दियों के मौसम में विदेशी प्रवासी पक्षियों का प्रमुख ठिकाना बन जाती है। वन दरोगा प्रदीप सक्सेना ने बताया कि रूस, साइबेरिया, मंगोलिया और मध्य एशिया जैसे देशों से आए ये पक्षी यहां ठंड के महीनों में आश्रय लेते हैं। इस बार भी झील में ग्रे–लेग गूज, रेड क्रेस्टेड पोचार्ड, नॉर्दर्न पिनटेल और शॉवलर जैसे सुंदर प्रजाती के पक्षियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि प्रवासी पक्षियों के संरक्षण के लिए वन विभाग द्वारा विशेष निगरानी रखी जा रही है।

वहीं पर्यटक और पक्षी प्रेमी झील किनारे कैमरों में इन दुर्लभ पक्षियों को कैद करने में जुटे हैं। चंडीगढ़ से आए पर्यटक लक्ष्य वर्मा ने कहा कि यहां आकर प्रवासी पक्षियों को देखना एक अद्भुत अनुभव है। प्रवासी पक्षियों की मौजूदगी न सिर्फ आसन झील की खूबसूरती को बढ़ा रही है, बल्कि यह स्थानीय पर्यटन को भी नई रफ्तार दे रही है।

मुख्य सचिव

मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने सचिवालय परिसर में राजकीय बाल देख–रेख संस्थाओं के बच्चों और राजकीय महिला गृहों की महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी का शुभारम्भ किया गया। उन्होंने बच्चों और महिलाओं द्वारा निर्मित आकर्षक पेंटिग्स और विभिन्न उत्पादों की सराहना की। इस अवसर पर मुख्य सचिव ने राजकीय बाल देखरेख संस्थाओं में रहने वाले बच्चों के लिए कौशल विकास से जुड़े प्रशिक्षण की नियमित व स्थायी व्यवस्था किए जाने के अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समाज की मुख्यधारा में लाने के लिए इन बच्चों को सशक्त और स्वावलंबी बनाने के कारगर प्रयास किए जाएं। मुख्य सचिव ने महिला गृहों की संवासिनियों की प्रतिभा को निखारने के लिये व्यवसायिक प्रशिक्षण प्रदान करने और उत्पादों की गुणवत्ता संवर्द्धन की व्यवस्था किए जाने के भी निर्देश दिए। महिला कल्याण विभाग द्वारा स्थापित आलम्बन आउटलेट सेन्टर के माध्यम से आयोजित यह प्रदर्शनी आगामी 17 अक्टूबर तक चलेगी। प्रदर्शनी में मोमबत्ती, करवा, दिये, चित्रकला, तोड़न, भीमल पेटिंग और ऐपण पेटिंग से बने अनेक उत्पादों को प्रदर्शन व बिक्री के लिए रखा गया है।